अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): ठीक है, सर। निश्चित तौर से यह बात बहुत ही गम्भीर है और चिंता की बात है। माननीय अग्रवाल साहब ने यह विषय जो उठाया है, इसके बारे में मैं निश्चित तौर से संबंधित मंत्री को कहूंगा, ताकि इस तरह की जो घटनाएं हैं और इस तरह की जो रिपोटर्स बताई गई हैं, ऐसी चीजें बिल्कुल न हों और इसको रोका जा सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Correct. Government should take action.

Need to conduct safety audit of Government and private buildings

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं आग से होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। विगत मंगलवार को आग ने नेचुरल हिस्ट्री के संग्रहालय को जला कर खाक कर दिया। इसमें तमाम महत्वपूर्ण दस्तावेज जल कर राख हो गए और जो तीन महत्वपूर्ण गैलरीज़ थीं, वे भी आग पर काबू न पाने के कारण जल कर खाक हो गईं। यहां तक कि लगी हुई आग पर काबू पाने में भी काफी वक्त लगा। बताया गया कि बिल्डिंग का सेफ्टी मैकेनिज्म ठीक से काम नहीं कर रहा था।

महोदय, देश की अधिकांश महत्वपूर्ण इमारतों में सार्वजनिक, सरकारी-प्राइवेट हॉस्पिटल्स, मल्टी स्टोरीड बिल्डिंग्स भी शामिल हैं। उनका ठीक से सेफ्टी ऑडिट नहीं होता है तथा आग पर काबू पाने या रोकने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं होता है, जिससे आग लगने की दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं तथा दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। अभी हाल ही में कोल्लम में जो घटना हुई, उसमें करीब 100 से अधिक लोग मारे गए। पूरे देश के अंदर 2010 से 2014 तक, पांच साल में 1 लाख 13 हजार से ज्यादा लोग आगजनी की दुर्घटना में मारे गए हैं और उनमें महाराष्ट्र में आगजनी से मरने वालों की संख्या सबसे अधिक है। क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक महाराष्ट्र में सिर्फ 2014 में आग से करीब-करीब 4 हजार लोग मारे गए हैं। केरल और महाराष्ट्र में residential buildings में आग की सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं हुई हैं और वे असुरक्षित हैं। काफी multi-national buildings असुरक्षित हैं। Municipal Corporations टैक्सपेयर्स से तो पैसा लेती है, लेकिन इस तरह की घटना को रोकने के लिए उनके पास कोई इंतजाम नहीं है, लैडर्स नहीं हैं, आधुनिक गैजेट्स नहीं हैं। हेलिकॉप्टर आदि की भी कोई व्यवस्था उसके पास नहीं है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इसे emergency situation मान कर मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, नागपुर तथा देश के अन्य शहरों की सभी बिल्डिंग्स का सेफ्टी ऑडिट किया जाए तथा असुरक्षित इमारतों और बिल्डर्स पर सख्त कार्रवाई की जाए। यह जो आग की घटना बार-बार हो रही है, इसमें आपने देखा होगा कि सार्वजनिक स्थानों के साथ जो मंदिर तथा अन्य धार्मिक स्थल हैं, उन पर भी बहुत बुरी तरह से आघात पहुंचा है, इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि हमारी जो पुरानी धरोहरें हैं, उनको संभालने के लिए हमें विशेष प्रयास करना चाहिए। सरकार कॉरपोरेशन्स को परमिशन तो दे देती है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; time over. Shri Shamsher Singh Dullo.

श्री अविनाश पांडे (महाराष्ट्र): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री रणविजय सिंह जुदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।